झूला मत डालो कान्हा

झूला मत डालो रे कान्हा नाजुक डाल पीपल की,
झूला झूलो री किशोरी झूला झूलन रुत आई,
झूला मत डालो रे कान्हा नाजुक डाल पीपल की....

काहे को कान्हा बनो रे पाटला काहे की पग डोर,
रे कान्हा नाजुक डाल पीपल की,
झूला मत डालो रे कान्हा नाजुक डाल पीपल की....

चंदन को राधे बनो पाटला, रेशम की पग डोर,
किशोरी झूला झूलन रुत आई,
झूला मत डालो रे कान्हा नाजुक डाल पीपल की....

कौन यामे झूले कौन झुलावे कौन झोटा दे,
रे कान्हा नाजुक डाल पीपल की,
झूला मत डालो रे कान्हा नाजुक डाल पीपल की....

राधा रानी झूले सखियां झूलामें कान्हा झोटा दे,
किशोरी झूला झूलन रुत आई,
झूला मत डालो रे कान्हा नाजुक डाल पीपल की....

कौन से महीना कान्हा झूला पड़त है, तो कौन दिन झूलन हो,
रे कान्हा नाजुक डाल पीपल की,
झूला मत डालो रे कान्हा नाजुक डाल पीपल की....

सावन के महीना राधे झूला पढ़ट हैं,
तो तीजो पे झूलन हो किशोरी झूला झूलन रुत आई,
झूला मत डालो रे कान्हा नाजुक डाल पीपल की....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27645/title/jhula-mat-dalo-kanha

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |